GAIL का पेट्रोकेमिकल यूनिट में निवेश

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के मुताबिक, राज्य संचालित गैस आपूर्तिकर्त्ता **GAIL (इंडिया)** ने **मध्य प्रदेश के सीहोर में 1.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष (MTPA) ईथेन** क्रैकिंग यूनिट स्थापित करने के लिये 50,000 करोड़ रुपए तक निवेश करने की योजना बनाई है।

मुख्य बिंदु:

- नई सुविधा का लक्ष्य **पेट्रोकेमिकल्स** की भारी घरेलू मांग को पूरा करना है, जिसके वर्ष 2040 तक लगभग तीन गुना बढ़कर 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है।
  - **ईथेन** एक प्राकृतिक गैस घटक है जिसे **एथिलीन** में विभाजित किया जाता है, जो **प्लास्टिक, चिपकने वाले पदार्थ, सिंथेटिक रबर और अन्य पेट्रोकेमिकल के उत्पादन हेतु एक महत्त्वपूर्ण निविष्टि है।**
- वर्तमान में, **रिलायंस इंडस्ट्रीज़** दहेज़, हज़ीरा (गुजरात) और नागोथेन (महाराष्ट्र) में अपने पटाखों के लिये **1.5 MTPA ईथेन का आयात करने वाली एकमात्र भारतीय इकाई है।**
- **गेल का नया ईथेन क्रैकर उत्तर प्रदेश के कानपुर के पास पतारा** में उसकी मौजूदा **810 हज़ार टन प्रतिवर्ष (KTA)** पेट्रोकेमिकल सुविधा को लगभग दोगुना कर देगा।
  - **ग्लोबल इंजीनियरिंग कंसल्टेंट इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड** इस परियोजना के लिये विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार कर रही है, जिसके अगले 5-6 वर्षों में चालू होने की उम्मीद है।
- प्रारंभ में, GAIL ने महाराष्ट्र के औरंगाबाद या दाभोल में अपने 5 MTPA तरलीकृत प्राकृतिक गैस संयंत्र के पास नई सुविधा स्थापित करने पर विचार किया, लेकिन बाद में मध्य प्रदेश पर निर्णय लिया।

GAIL (इंडिया) लिमिटेड

- यह **भारतीय स्वामित्व वाली एक ऊर्जा निगम** है जिसका प्राथमिक हित **प्राकृतिक गैस के व्यापार, पारेषण और उत्पादन वितरण में है**
- इसकी स्थापना HVJ गैस पाइपलाइन के निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिये पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत **अगस्त 1984** में गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के रूप में की गई थी
- 1 फरवरी 2013 को, भारत सरकार ने 11 अन्य **सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSU)** के साथ GAIL को **महारत्न का दर्जा** प्रदान किया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gail-to-invest-in-petrochemical-unit-in-madhya-pradesh